प्रवचा.

भीठपुराठजगपाधी, अभर सचित् स्ताराखण्ड शाराना

सामा

अनुस्य सरित्तः परिवहन विभागः स्रजाराखण्ड सारागः।

राजस्य विमाग

देहरापूनः दिनाकः 19 गार्च 2007

विभय:-जनपद भीड़ी गड़वाल के स्थान कोटद्वार में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय कोटद्वार हेतु परिवहन विभाग को निःशुल्क आवंटन के सम्बन्ध में। यहीदत

्वार्युक्त विकास आयुक्त गढवाल गण्डल, पीड़ी के पत्र शख्या-132/ ११-63(2003-2007) दिशांक 12 मार्च, 2007 से सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री वाप्रकाल महोदय जगपव पीड़ी गढवाल से स्थान कोटद्वार के सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी कार्यालय, कोटद्वार हेतु बोटद्वार से खतींनी खादा संख्या-68 खरारा परिवहन अधिकारी कार्यालय, कोटद्वार हेतु बोटद्वार से खतींनी खादा संख्या-68 खरारा परिवहन अस्थे 0.097 है0 भूमि वित्त अनुगाग-3 जत्तराखण्ड शासन से शासनादेश संख्या-260/विठअनु0-3/2002 दिनांक 15 फरवरी, 2002 की व्यवस्थानुसार परिवहन विगाग, उत्तराखण्ड शासन को गिमालिखित शर्तों के अधीन निशुक्त हस्तान्तरित करने की सहने स्वीकृति प्रकार करते ही

- गूनि गर मोई सामिक उल्लान ऐतिहासिक महत्त्व की इमास्त न हो।
- 2- जिस परियोजना के लिए भूगि हस्तान्तरित की जा रही है वह एक अनुगोदित परिभोजना हो और उसके लिए शासन से सहमति प्राप्त हो चुकी हो।
- उ- एस्तान्तिशित गृमि यदि प्रस्तावित कार्य से मिन्न प्रयोजन के लिए उपयोग की जाये जो उसकी लिये गृल विभाग से मुन अनुगोदन प्राप्त करना होगा।

- 4- यदि गूमि की आवश्यकता न हो था 3 धर्म तक हरतान्तरित भूमि प्रस्तावित कार्य के लिए जपयोग में नहीं लाई जाती है तो उसे मूल विभाग को वापस करना होगा।
- 5- जिस प्रयोजन हेतु गूमि हस्तान्तरित की गई है उससे भिन्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु किसी अन्य व्यक्ति, संस्था, समिति अथवा विभाग आदि को मूल विभाग की सहमति के बिना भूमि हस्तान्तरित नहीं की जायेगी।
- 6— जिरा अयोजन ऐयु चूमि आवंदित की गई है उसकी पूर्ति के उपरान्त यदि भूमि आएशिए पढ़ी रहती है, तो मूल विभाग को उसे वापस लेने या अधिकार होगा।
- 2- पूपना राष्ट्रीसार जागरका कार्यवाही करने का काट करें।

भवतीय

(पीठएस०जंगपांगी) अपर प्रचिव।

संस्था एवं सद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिधित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- गुराव राजस्य आयुक्त, खत्ताराखण्ड, देहरादृन।
- 2- आनुनरा, गढवाल गण्डल, पीडी।
- ·3- । रिवहन आधृततः अत्तराखण्डः, ७, रामवाम, वर्ववसी, वेहरादृतः।
- विलाधिकारी, भीती गढ़वाल ।
- ५- रागामीय परिवहन डाविकारी, गढ़वास समाग पाँछी।
- प्राध्याई०री० सत्त्रासम्ब, देहरादृन।
- 7- गाई फाईस ।

(भी०एस०जगपारी)

अपर सचिव।